

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

समक्ष : आर.के. जैन

सदस्य

प्रकरण क्रमांक एक/निगरानी/टीकमगढ़/भू.रा./2017/2321 विरुद्ध आदेश दिनांक 12-07-2017 पारित द्वारा अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ जिला टीकमगढ़ प्रकरण क्रमांक 83/अपील/2016-17

1. दामोदर तनय हल्कू कुशवाहा

2. नंदराम तनय हल्कू कुशवाहा

निवासीगण ग्राम पठा, तहसील व जिला टीकमगढ़ म.प्र.आवेदकगण
विरुद्ध

गणेश प्रसाद कुशवाहा तनय नन्ना कुशवाहा

निवासीगण ग्राम पठा विजयपुर तहसील महारौनी

जिला ललितपुर उ.प्र

.....अनावेदकगण

श्री जी.पी. नायक, अभिभाषक, आवेदकगण

श्री एस.पी. धाकड़, अभिभाषक, अनावेदक

:: आ दे श ::

(आज दिनांक 3⁷/18 को पारित)

आवेदकगण द्वारा यह निगरानी म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे संक्षेप में संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी टीकमगढ़ जिला टीकमगढ़ द्वारा पारित दिनांक 12-07-2017 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है ।

2/ प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं अनावेदक द्वारा नायब तहसीलदार समरी द्वारा ग्राम पठा भाटा की नामांतरण पंजी क्रमांक 55 में पारित आदेश दिनांक 30-12-2002 के विरुद्ध अपील अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष दिनांक 02-12-2016 को विलम्ब से प्रस्तुत की गई ।





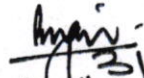
साथ ही विलम्ब क्षमा हेतु अवधि विधान की धारा 5 का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया । अनुविभागीय अधिकारी द्वारा प्रकरण क्रमांक 83/अपील/2015-16 दर्ज कर दिनांक 12-07-2017 को आदेश पारित कर विलम्ब सदभावी मानते हुए अवधि विधान की धारा 5 का आवेदन पत्र स्वीकार किया गया । अनुविभागीय अधिकारी के इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई है ।

3/ आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा निगरानी में के आधार पर ही प्रकरण का निराकरण करने का अनुरोध किया गया ।

4/ अनावेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा मुख्य रूप से तर्क प्रस्तुत किया गया कि तहसील न्यायालय द्वारा पारित आदेश विधिसंगत है, जिसमें हस्तक्षेप का कोई आधार इस निगरानी में नहीं है ।

5/ उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में अभिलेख का अवलोकन किया गया । अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा उनके समक्ष अपील प्रकरण में धारा 5 का आवेदन स्वीकार कर उभयपक्षों के अंतिम तर्क हेतु नियत किया गया है । अतः अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में इस स्तर पर हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होने के कारण निगरानी इसी स्तर पर निरस्त की जाती है ।

सिद्ध
23/3/17


(आर.के.जैन)

सदस्य

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश

ग्वालियर